श्री राम राम रामेति, रमे रामे मनोरमे ।
सहस्त्रनाम तत्तुल्यं, रामनाम वरानने ॥

ॐ

अचल सुताय विद्महे कृष्णा वल्लभाय धीमहि तन्नो कल्ला प्रचोदयात् ॥

20 वाँ विंशतितम कल्याण महाकुंभ

श्रीमान्

______

______

______

ज्येष्ठ शुक्ल 15 बुधवार , 11 जून से 19 जून 2025

निवेदक : श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान

एवं

श्री कल्लाजी मन्दिर मण्डल न्यास

कल्याणनगरी (निम्बाहेड़ा) जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

01477-223225 www. skvv.ac.in Email: skvp.peeth@gmail.com

राइज़ 9414859055

अचल सुताय विद्महे कृष्णा वल्लभाय धीमहि तन्नो कल्ला प्रचोदयात्

20 वाँ

विंशतितम कल्याण महाकुंभ

रामकथा मंदाकिनी, चित्रकूट चित चारु।
तुलसी सुभग सनेह बन, सिय रघुवीर बिहारु ।।

ज्येष्ठ शुक्ल 15 बुधवार , 11 जून से 19 जून 2025

निवेदक : श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान

एवं

श्री कल्लाजी मन्दिर मण्डल न्यास

कल्याणनगरी (निम्बाहेड़ा) जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

वीर श्रेष्ठ श्री कल्लाजी राठौड़ का सम्पूर्ण जीवन वृत्त अनुकरणीय रहा है। श्री कल्याणजी राठौड़ उपाख्य श्री कल्लाजी राठौड़ का जन्म विक्रम संवत् 1601 आश्विन शुक्ला अष्टमी को मारवाड़ के सामियान जागीर के राव अचला जी के यहां हुआ माना जाता है । श्री शेषावतार कल्लाजी राठौड़ सत्य के साधक, शोषितों के रक्षक, दु:खी जनों के दु:ख भंजक व मातृभूमि के शत्रुओं के लिए साक्षात् महाकाल थे। वे वेदज्ञान की आध्यात्मिक शक्ति से सम्पूर्ण धरा को आप्लावित करना चाहते थे क्योकि उन्होनें सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण के सूत्र वेदों में पा लिए थे । वे न केवल वीरता अपितु ज्ञान, योग, शौर्य एवं तेज के प्रतीक है । वर्तमान में 481 वर्षो के बाद भी यह दिव्य आत्मा दक्षिणी राजस्थान के वागड़, मेवाड़, मालवा एवं गुजरात के विस्तृत क्षेत्र के करोड़ों दु:खीजनों को अपने मन्दिर एवं सेवकों के माध्यम से उन्हें वेदना से मुक्त कर रहे हैं । मेवाड़ एवं मालवा की संगम स्थली निम्बाहेड़ा में श्री कल्लाजी, वेदमाता गायत्री, स्कन्दमाताजी, कालभैरवजी एवं पंचमुखी हनुमानजी के अष्टधातु के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा 29 जून 2005 को होने के बाद यह नगरी '' कल्याणनगरी'' के नाम से विख्यात होकर धन्य हो गई ।

संस्थान का गठन :- ठाकुर श्री कल्लाजी राठौड़ की दिव्य चेतना एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से स्वयं प्रकट संकेत व संदेश से श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान की स्थापना ज्येष्ठ कृष्ण 14 संवत् 2059 रविवार को की गई । सृजन :- संस्थान द्वारा कमधज नगर, निम्बाहेड़ा में 225 गुणा 100 फीट भूमि पर भव्य मन्दिर, ध्यान केन्द्र, पीठ कार्यालय, अध्ययन कक्ष, रसोई, आवास , लघु उद्यान एवं आवश्यक सुख सुविधाओं से युक्त लगभग 8000 फीट निर्माण के साथ ही वैदिक विश्वविद्यालय कल्याणलोक में आचार्य निवास, चारों वेद भवन, छात्रावास, भोजन शाला, गौशाला सहित लगभग एक लाख पचास हजार वर्ग फीट से अधिक का निर्माण हो चुका है 27 मार्च 2018 से राजस्थान विधान मण्डल द्वारा विधेयक पारित होकर श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय प्रारम्भ होकर अपनी सतत रूप से सेवाऐं दे रहा है । गौशाला, यज्ञ मण्डप, अतिथि भवन, औषधिवन सहित सभी निर्माण कार्य योजना के अनुसार पूर्ण हो चुके है । इस वर्ष आयुर्वेद महाविद्यालय, आयुर्वेद नर्सिंग, प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय प्रारम्भ करने की योजना है । वर्तमान में पीठ द्वारा वेद विद्यालय में अध्ययन कार्य सुचारू रूप से चल रहा है जिसमें प्रथम से पंचम वर्ष तक चतुर्वेद का अध्ययन कराया जा रहा है राज. सरकार द्वारा इसे आदर्श वेद विद्यालय घोषित किया गया जाकर राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है । भविष्य में चारों ही वेद की उपलब्ध 11 शाखाएँ प्रारम्भ करने की भी योजना है जो राजस्थान राज्य के गौरव का विषय है । वर्तमान में इस वेद विद्यालय में 175 विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवासीय वैदिक शिक्षा प्रदान की जा रही है ।

श्रद्धा शिरोमणि,

आध्यात्मिक, वैदिक एवं लौकिक, त्रिधारा के दिव्य पुंज,

ब्रह्मनिष्ठ, वेदमूर्ति मेदपाट मणिभूषण, धरादित्य परम शौर्यशाली

श्री शेषावतार कल्लाजी, श्री वेदमाता गायत्रीजी, श्री स्कन्दमाताजी,

श्री पंचमुखी हनुमानजी एवं श्री कालभैरवजी

के श्रद्धापूरित विग्रहों के

विंशतितम (20वाँ) कल्याण महाकुंभ

में अग्रांकित कार्यक्रमों में इष्ट विशिष्ट मित्रगणों व परिजनों सहित आप सादर आमंत्रित हैं ।

आयोजक एवं निवेदक

प्रबन्ध समिति,

श्री कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान एवं मन्दिर मण्डल न्यास

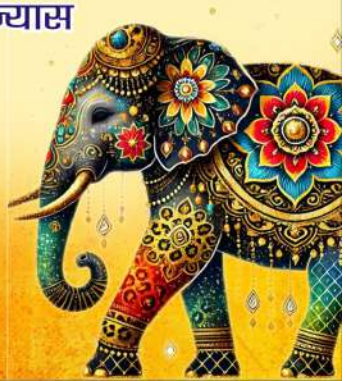

।। श्री गणेशाय नमः ।।

।। ॐ हनुमंते नमः।।

।। श्री कालभैरवाय नमः।।

अखण्ड सुन्दर काण्ड पाठ एवं सपाद एकादश कोटि
(सवा ग्यारह करोड़) राम नाम जप मंत्र
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, रविवार 30 मार्च 2025 से

अद्भुत् क्षण...

आध्यात्मिक कल्याण पद यात्रा 20

ज्येष्ठ सुदी 6 रविवार
1 जून 2025
ठाकुरजी के मन्दिर से प्रारम्भ
चित्तौड़ दुर्ग तक, प्रातः 4.15 बजे

विशाल, अनूठी, अद्भुत्
कलशोत्सव एवं शोभा यात्रा

ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा, बुधवार
11 जून 2025
प्रातः 7.00 बजे से
श्री ढ़ाबेश्वर महादेव से प्रारम्भ

श्री राम कथा

ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा, बुधवार
11 जून 2025 से प्रतिदिन दोपहर 3 बजे

परम् पूज्य दीदी माँ मंदाकिनी श्री रामकिंकर जी
रामायणम् धाम आश्रम, अयोध्या
के श्रीमुख से निसृत

पदम्भूषण युग तुलसी श्री रामकिंकरजी महाराज

सप्त दिवसीय श्री राम महायज्ञ

आषाढ़ कृष्ण द्वितीया से अष्टमी स. 2082
13 जून से 19 जून 2025 तक
प्रातः 7.00 बजे से

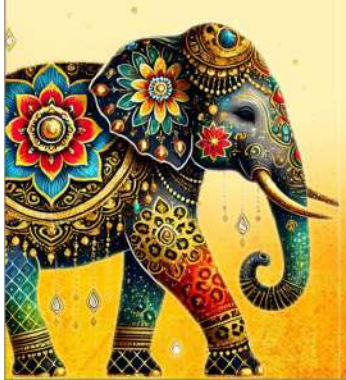

विशेष : प्रतिदिन रात्रि संगीतमय भजन संध्या- रात्रि 8 बजे से

देश का प्रथम कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय

श्री कल्लाजी गौशाला

आयकर आदेश क्रमांक AADTS9149KF20214 DT. 28-5-2021 के तहत
आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर मुक्त ।